

1. यरस
2. एटा
3. फिरोजाबाद
4. आगरा
5. अलीगढ़
6. चित्रकूट
7. महोबा
8. बरेली
9. अमरोहा
10. सम्भल
11. मुरादाबाद
12. मेरठ
13. हापुड़
14. गाजियाबाद
15. शामली
16. सहारनपुर
17. चंदौली
18. वाराणसी
19. सोनभद्र
20. भदोही
21. मिर्जापुर
21. लखनऊ
22. कानपुर देहात
23. फूलखाबाद
24. औरेया
25. कानपुर
26. कौशाम्बी
27. इलाहाबाद
28. अम्बेडकरनगर
29. अमेठी
30. फैजाबाद
31. बलरामपुर
32. श्रावस्ती
33. गोण्डा
34. महाराजगंज
35. कुशीनगर
36. गोरखपुर
37. संतकबीरनगर
38. सिद्धार्थनगर
39. बस्ती
40. आजमगढ़
41. झाँसी
42. बंदायू
43. लखीमपुरखीरी

संख्या: १४१३ / - ३३-३-२०१६-१० जी०आई०/२०१५

प्रेषक,

चंचल कुमार तिवारी,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,  
पाश्वर्व अंकित जनपद, उत्तर प्रदेश।

पंचायती राज अनुभाग-३

लखनऊ: दिनांक: १२ जुलाई, २०१६

विषय— राजीव गांधी पंचायत सशक्तीकरण योजना अन्तर्गत जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर (डी०पी०आर०सी०) की स्थापना हेतु स्थल चयन के सम्बंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक राजीव गांधी पंचायत सशक्तीकरण अभियान अन्तर्गत वार्षिक कार्ययोजना २०१६-१७ में भारत सरकार द्वारा पंचायतों के क्षमता संवर्द्धन एवं प्रशिक्षण को केन्द्रीय एवं महत्वपूर्ण घटक मानते हुए ४३ जिला पंचायत सिसोर्स सेंटरों(डी०पी०आर०सी०) की स्थापना पर सहमति व्यक्त की है।

जैसा कि आप अवगत हैं कि मंडल एवं जनपद स्तर पर ग्राम्य विकास विभाग द्वारा प्रशिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों हेतु १७ क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थानों एवं ३३ जिला ग्राम्य विकास संस्थानों का संचालन किया जा रहा है।

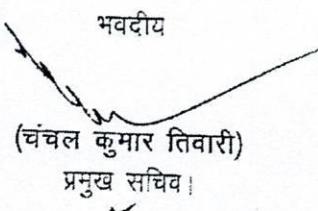
इस सम्बंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ कि—

1. क्षमता संवर्द्धन एवं प्रशिक्षण गतिविधियों के दृष्टिगत पाश्वर्व अंकित जनपदों जहाँ ग्राम्य विकास विभाग द्वारा क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थानों एवं जिला ग्राम्य विकास संस्थानों का संचालन नहीं किया जा रहा है, मैं पंचायती राज विभाग के अधीन १८ मंडल स्तरीय पंचायत रिसोर्स सेंटर एवं २५ जिला स्तरीय पंचायत रिसोर्स सेंटर, इस प्रकार से कुल ४३ जिला पंचायत रिसोर्स सेंटरों की स्थापना की जानी है।
2. रिसोर्स सेंटरों के निर्माण हेतु केन्द्र सरकार द्वारा १०० प्रतिशत वित्तीय सहायता राज्य को प्रदान की जाएगी, जिसकी प्राप्ति होने पर जनपदों को पृथक से सूचित किया जाएगा।

— 2 —

3. शासन द्वारा जनपदों में उक्त प्रकार से रिसोर्स सेंटरों की रथापना हेतु स्थल चयन एवं सरकारी भूमि की उपलब्धता के चिन्हीकरण का कार्य आप द्वारा किया जाना है।
4. स्थल चयन हेतु इस बात का ध्यान रखा जाए कि चयनित भूमि विवाद रहित हो, आदादी से अधिक दूरी पर ना हो, सड़क/मुख्य मार्ग से जुड़ी हो तथा यह भी देख लिया जाए कि भविष्य में रिसोर्स सेंटर के एक्सटेंशन के दृष्टिगत भी पर्याप्त भूमि (न्यूनतम 2500 वर्गमीटर) प्रागांग में उपलब्ध रहें।

अतः उक्तानुसार अपने जनपदों में जिला पंचायत रिसोर्स सेंटरों(डी०पी०आर०सी०) के स्थल चयन हेतु आवश्यक कार्यवाही करते हुए सूचना निदेशालय को 15 दिवस के अन्दर उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

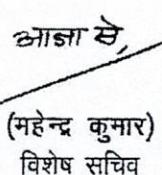


भवदीय  
(चंचल कुमार तिवारी)  
प्रमुख सचिव।

संख्या— १८१३०/३३-३/२०१६ तदुदिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्याही हेतु

1. सुश्री शरदा मुरलीधरन, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, पंचायती राज मंत्रालय, नई दिल्ली।
2. मुख्य सचिव, उ०प्र० शासन।
3. कृषि उत्पादन आयुक्त, उ०प्र० शासन।
4. समस्त मंडलायुक्त, उ०प्र०।
5. निदेशक, पंचायती राज, उ०प्र०।
6. समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उ०प्र०।
7. समस्त मंडलीय उपनिदेशक(पं०), उ०प्र०।
8. समस्त जिला पंचायत राज अधिकारी, उ०प्र० इस आशय के साथ कि जिलाधिकारी से सम्पर्क स्थापित कर आवश्यक प्रस्ताव शासन को प्रेषित करने का कष्ट करें।



भाजा से,  
(महेन्द्र कुमार)  
विशेष सचिव